

SAUCER : (1) शरावम् (?) ; (2) आधारः (stand : when sense clear).

SAUCILY : धाष्ट्यात् or धाष्ट्येन : v. Impudently, shamelessly.

SAUCY : धृष्ट (f. टा) : v. Impudent, shameless.

SAUNTER : मन्दं मन्दं परिक्रामति or -क्राम्यति (क्रम्, c. 1. and 4.).

SAUSAGE : a kind of food : *शासजम्.

SAVAGE : I. Wild : q.v. : वन्य (f. न्या), like s. *Pulindas* : वन्यैः पुलिन्दैरिवः, R. xvi. 19. II. Uncivilized, unpolished : (1) असभ्य (f. म्या) ; (2) अशिष्ट (f. टा). Ph. : *Kirātas, Śavaras, and Pulindas are different tribes of s.s* : भेदाः किरातशबरपुलिन्दा म्लेच्छजातयः, A. : v. Barbarian. III. Ferocious, cruel : q.v. : क्रूर (f. रा), Si. xv. 8.

SAVAGELY : (1) क्रूरम् ; (2) निष्ठुरम् : v. Fiercely, cruelly.

SAVAGENESS : (1) क्रौर्यम् : v. Ferocity, cruelty ; (2) असभ्यता (=barbarity) ; (3) वन्यता (=wildness).

SAVANT : (1) पण्डितः ; (2) बुधः, -जनः : v. Wise.

SAVE (v.) : I. In theological sense : (1) तारयति, निस्, (c. of तृ), *instantly s.d Yayāti* : ययार्ति तारयामासुरञ्जसा, Mah. v. 122. 16. ; (2) उद्धरति or -धारयति (हृ, c. 1. and its c., according to its sense), *one s. himself* : उद्धरेदात्मनात्मानम्, V. c. ; (3) त्राति or त्रायते, परि (त्रा, c. 2. or त्रै, c. 1.), s. (me), Lord : त्राहि त्राहि जगन्नाथ. II. To preserve : (1) त्रायते, or त्राति, परि-, s. (your) friend : परित्रायतां सुहृदम्, Sa. vi. ; (2) रक्षति, परि-, सं-, (रक्ष्, c. 1.), s. him from *Bhima* : रक्षेन्न भीमात्, Ve. iii. : v. Also to protect, deliver. III. To lay by : (1) संचिनोति (चि, c. 5.) ; (2) रक्षति, सं-. IV. To spare : q.v.

SAVE, SAVING (prop.) : विहाय, अपहाय, वर्जयित्वा etc. : v. Except ; s. attention to elders : गुरुजनशुश्रूषां वर्जयित्वा, Na. v.

SAVING (subs.) : I. The act : (1) त्राणम्, परि- ; (2) रक्षा, सं- ; (3) उद्धारः, सम्- ; (4) तारणम्, सं- ; (5) सञ्चयः : for dif. : v. To save. II. Any

thing saved : (1) सञ्चित (f. ता) ; (2) रक्षित (f. ता).

SAVINGLY : expr. by circumlo. : v. To save, saving.

SAVINGS BANK : सञ्चितकोषः and sim. comp.s : v. Bank.

SAVIOUR : (1) त्रातृ (f. त्री), परि- ; (2) त्रायक (f. यिका), परि- ; (3) उद्धर्तृ (f. त्री), सम्- ; (4) तारक (f. रिका), निस्- ; (4) रक्षितृ (f. त्री), s. of snakes : नागानां रक्षिता, Na. 77.

SAVORY (subs.) : सुगन्धिलताविशेषः ; *शावरी.

SAVO(U)R (v.i.) : I. To taste : q.v. ; स्वदते (स्वद्, c. 1.). II. To smell : q.v. : expr. with गन्धः.

SAVO(U)R (subs.) : I. Taste : q.v. : रसः. II. Smell : q.v. : गन्धः.

SAVO(U)RY : I. Tasty : (1) सरस (f. सा) ; (2) स्वाद् (f. also द्वी). II. Fragrant : q.v. : सुगन्धि (mfn.).

SAVOY : *कबिभेदः.

SAW (subs.) : I. The tool : (1) करपत्रम्, *cut off by s. like teeth* : दन्तकरपत्रनिकृत्त-, Vi. v. 29. ; (2) क्रकचम्, "क्रकचव्यवहारः", Li. II. Proverb : q.v.

SAW (v.) : क्रकचेन पाटयति (पट्, c. 10.), Mr. x. 47. or दारयति (c. of दृ), *s.ing of timber* : दारुदारणम्, Li. 200. ; *wood for s.ing* : क्रकच्यं काष्ठम्, Li.

SAWDUST : क्रकचचूर्णम् (?) ; क्रकच्यकाष्ठचूर्णम् and sim. comp.s.

SAW-FISH : क्रकचमुखः ; मत्स्यविशेषः.

SAWPIT : क्रकचगतिः and sim. com.s (??).

SAWYER : (1) क्रकचिकः, Ram. ; (2) दारुदारकः and sim. comp.s.

SAY : (1) वक्ति (वच्, c. 2.), *we s. (=reply), there is omniscient God* : उच्यते, अस्ति सर्वज्ञं ब्रह्म, S. ; *in the first chapter, we have said (=shewn) that God is the cause of the whole world* : प्रथमे पादे समस्तस्य जगतः कारणं ब्रह्मेत्युक्तम्, S. ; (2) ब्रवीति or ब्रूते (ब्रू, c. 2.), *you better s. whether you can call him a man* : पुरुषोक्तिः कथं तस्मिन् ब्रूहि, Ki. xi. 71. ; *they s. (=it is said)* : आहुः, M. ix. 84. ; (3) वदति (वद्, c. 1.), s. *what*